# सत्यभक्त और नवजागरण

**महेश्वर प्रसाद सिंह**

हिन्दी नवजागरण का एक महत्वपूर्ण अध्याय नवजागरण और साम्यवादी विचारधारा के आपसी संबंधों का है। हिन्दी नवजागरण और साम्यवादी विचारधारा के सम्पर्क–संवाद को जाँचने–परखने के लिए हमें नवजागरण की दुर्लभ पत्र–पत्रिकाओं के भंडार में गहरी छान–बीन करनी होगी। इस सदी के शुरूआती दशकों में ही ऐसे लेख छपने शुरू हो गए, जिसके सूत्र साम्यवाद के प्रत्यक्ष या परोक्ष जुड़े थे। अभी तक उपलब्ध सूचना सामग्री के आधार पर संभवतः 'अभ्युदय' (साप्ताहिक) के सम्पादक कृष्णकांत मालवीय ऐसे पहले पत्रकार थे, जिन्होंने 1918–1920 में रूसी राज्यक्रांति पर लगातार लिखा और नए युग की आहट दर्ज की। 'संसार संकट' शीर्षक से उनका प्रकाशित धारावाहिक लेख अपने समय में काफी चर्चित रहा था। महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन के साथ साम्यवाद का प्रसार बढ़ा। रमाशंकर अवस्थी की 'बोल्शेविक जादूगर' सोमदत्त विद्यालंकार की 'रूस का पुनर्जन्म', विश्वंभरनाथ जिज्जा की 'रूस में युगांतर', प्राणनाथ विद्यालंकार की 'रूस में पंचायती राज' पुस्तकें 1921 से 1923 के बीच प्रकाशित हो चुकी थी।